डाक पंजीयनक्र. मालवा डिविजन /404/2025-27 RNI MPHIN/2022/86763

संघर्ष से सिद्धि

खबरों के साथ, हर नजरिये की बात

Sangharshsesiddhi@gmail.com

स्व. पूज्य पिता रतनलाल जी माहेश्वरी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी(जेल) रानापुर जिला झाबुआ के चरणों में सादर समर्पित

हिन्दी सांध्य दैनिक | उज्जैन, मंगलवार 03 जून 2025 | वर्ष-03 अंक-298 पृष्ठ-08, मूल्य-3: 00

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का शुभारंभ 4 जून को

गंगा दशमी पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव माँ शिप्रा को अर्पित करेंगे 351 फिट की भव्य चुनरी

संजय जैन (सह-संपादक)
942510-1357 883910-7012
गिद्ध दृष्टि

संजय जैन,सह-संपादक। उज्जैन। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 4 जून 2025 को शिप्रा तीर्थ परिक्रमा का शुभारंभ रामघाट से ध्वज पूजन कर माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जायेगा। गंगा दशमी के पूर्व संध्या पर प्रसिद्ध भजन गायक पवन तिवारी शिप्रा तट पर अपनी प्रस्तुति देंगे। शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के श्रद्धालु गंगा दशमी 5 जून 2025 को शिप्रा तट पर पहुँचेंगे। रामघाट पर माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव माँ शिप्रा को 351 फीट की भव्य चुनरी अर्पित करेंगे। इस अवसर पर प्रसिद्ध गायिका स्वस्ति मेहुल, आर्मी सिम्फनी बैंड एवं पंडित ढोली बुवा द्वारा हरिकथा की प्रस्तुति भी होगी।

शिप्रा लोक संस्कृति समिति के सचिव श्री नरेश शर्मा ने बताया कि नवमी एवं दशमी ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष गंगा दशहरा के पावन पर्व पर 4-5 जून 2025 को शिप्रा परिक्रमा आयोजित हो रही है। यात्रा का शुभारंभ 4 जून को प्रातः 8:00 बजे रामघाट पर माननीय मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में होगा। इस अवसर पर शिप्रा तीर्थ परिक्रमा के कार्यकारी अध्यक्ष, महंत रामेश्वरदास महाराज,श्री श्रीराम तिवारी- माननीय मुख्यमंत्रीजी के संस्कृति सलाहकार एवं महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक, श्री उमेशनाथजी महाराज-राज्यसभा सांसद, श्री अनिल फिरोजियाजी-उज्जैन सांसद, श्री अनिल जैन कालूहेड़ा-विधायक, श्रीमती कलावती यादव- सभापति, नगर निगम उज्जैन, श्री मुकेश टटवाल-महापौर उज्जैन, श्री नारायण यादवजी- अध्यक्ष यादव महासभा, संजय अग्रवाल-अध्यक्ष भाजपा नगर, श्री रवि सोलंकी-वरिष्ठ समाजसेवी एवं साधु-संत तथा हजारों की संख्या में ग्रामीण क्षेत्र से आये श्रध्दालु उपस्थित रहेंगे। यात्रा से पूर्व रामघाट पर पंडित पुरोहितों द्वारा ध्वज पूजन माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा किया जायेगा। उसके पश्चात अतिथियों का स्वागत सत्कार एवं यात्रा प्रारंभ होगी। यात्रा में पुरातत्ववेत्ता, पूराविद, साहित्यकार, इतिहासकार, विषय विशेषज्ञ, जीव विज्ञान, भू वैज्ञानिक, साधु-संत आदि यात्रा में सहभागी रहेंगे। उन्होंने ने बताया कि 4 जून को यात्रा रामघाट से प्रारंभ होगी जो नरसिंह घाट, कर्कराज मंदिर, जगदीश मंदिर, जंतर मंतर वेधशाला, नानाखेड़ा, महामृत्युंजय द्वार, प्रशांति धाम, सांई मंदिर, त्रिवेणी शनि मंदिर से होते हुए गुरुकुल स्कूल पर विश्राम एवं भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। इसके बाद यात्रा पुनः सिकंदरी, गोठड़ा, दाऊद खेड़ी, चिंतामण से होते हुए भूखी माता, गुरुनानक घाट, दत्त अखाड़ा घाट, पर शाम को पहुँचेगी। रामघाट पर भजन गायक पवन तिवारी द्वारा भजनों की प्रस्तुत होगी। दूसरे दिन 5 जून को प्रातः 9:00 बजे यात्रा का शुभारंभ दत्त अखाड़ा घाट ध्वजपूजन करने के पश्चात रणजीत हनुमान, भैरवगढ़, मंगलनाथ, अंगारेश्वर मंदिर, सांदीपनि आश्रम, काल भैरव, ऋण मुक्तेश्वर मंदिर, वाल्मिकी धाम, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार ढाबा रोड होते हुए शाम 5:00 बजे पुनः रामघाट पहुँचेगी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के माध्यम से रामघाट से दत्त अखाड़ा घाट पर 351 फीट भव्य चुनरी अर्पण एवं आर्मी के सिंफनी बैंड की प्रस्तुति होगी। शाम 7:00 बजे मुंबई की प्रख्यात गायिका स्वस्ति मेहुल द्वारा भजन प्रस्तुति होगी। इसी क्रम में 28 मई से 11 जून तक प्रतिदिन शाम 7:00 बजे होने वाली पंडित ढोली बुवा की कथा निरंतर प्रभाह मान रहेगी। उक्त जानकारी शिप्रा लोक संस्कृति समिति के सचिव श्री नरेश शर्मा के द्वारा दी गई।

चार पांच दिन से लापता महिला मिली कुएं में

राजेश नाहर 9479973888
पानसेमल पानसेमल के निकट ग्राम कांसुल में कृषक राजेंद्र शितोले जेसीबी द्वारा अपने खेत में काम करवा रहे थे तभी उन्हें खेत के कुएं में से किसी की आवाज सुनाई पड़ी तब उन्होंने देखा कि कुएं में मिया बाई साहेबराव ब्राह्मणे उम्र 52 वर्ष निवासी आमद कुएं के अंदर है ,महिला के परिजन महिला को पिछले तीन चार दिनों से ढूंढ रहे थे, खेत मालिक ने थाने पर सूचना दी ।खेत मालिक राजेंद्र शितोले महिला को जानते थे उन्होंने ही परिजन को सूचना दी लापता महिला के खेत के कुएं में होने की सूचना मिलते ही पुलिस व ग्रामीणों के साथ उनके पुत्र रवींद्र ब्राह्मणे वहां पहुंचे कुएं में अपनी मां की स्थिति देखकर उनका स्वास्थ्य भी वहां गड़बड़

हुआ। ग्रामीणों ने महिला को कुएं से बाहर निकाल कर एंबुलेंस द्वारा सामुदायिक केंद्र पानसेमल पहुंचाया गया जहां उनका इलाज प्रारंभ कर दिया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पानसेमल के चिकित्सक डॉ सीताराम सोलंकी ने बताया कि राजेंद्र शितोले के खेत मे कुएं में गिरी महिला को एम्बुलेंस से अस्पताल लाये,उनका ईलाज किया जा रहा महिला की स्थिति सामान्य है। तीन-चार दिनों से लापता महिला कुएं में कैसे पहुंची यह अब तक पता नहीं चल पाया है
महिला व उसके परिजन फ़िलहाल कुछ कहने की स्थिति में नही है,,महिला का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है

आबकारी विभाग झाबुआ द्वारा एक महिन्द्रा पिकअप वाहन से अवैध शराब जप्त की गई

संजय जैन जिला ब्यूरो झाबुआ, जिले में अवैध मदिरा की बिक्री पर रोकथाम हेतु कलेक्टर नेहा मीना एवं उपायुक्त संभागीय उड़नदस्ता इंदौर संजय तिवारी द्वारा सतत कार्यवाही हेतु दिये गये निर्देशों के पालन में मदिरा धारण, परिवहन, चैर्यनयन एवं विक्रय के विरूद्ध ज़िला आबकारी अधिकारी झाबुआ श्रीमती बसंती भूरिया के निर्देशन में 02 जून 2025 को गश्त के दौरान आबकारी टीम द्वारा वृत्त झाबुआ अ में हवाई पट्टी से कुण्डला मार्ग पर एक संदिग्ध महिन्द्रा पिकअप वाहन जाता हुआ दिखाई दिया जिसका पीछा कर ग्राम करडावद बड़ी में रोका गया वाहन चालक वाहन को रोड़ किनारे छोड़कर भागा जिसका पीछा करने पर भी पकड़ा नहीं जा सका ।

मौके पर वाहन की विधिवत तलाशी लेने पर वाहन क्रमांक MP39G0958 से माउन्ट 6000 सुपर स्ट्रांग बियर कैन कुल 13 पेटी (कुल- 156 बल्क लीटर) विधिवत जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर मौके पर से फरार अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2), 36, 46 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया उक्त कार्यवाही नवीन विधान के तहत विडियोग्राफी व फोटोग्राफी कि गयी। उक्त जप्त कुल मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि रुपये 35,880/- एवं वाहन का मूल्य 7,00000/- इस प्रकार शराब व वाहनों का कुल मूल्य 7,35,880/- रूपयें है।

उक्त कार्यवाही सहायक जिला आबकारी अधिकारी महादेव सोलंकी के मार्गदर्शन में आबकारी उपनिरीक्षक अकलेश सोलंकी द्वारा की गई व मुख्य आरक्षक कांतु डामोर, श्री राम शर्मा, सोहन नायक एवं वाहन चालक बहादुर का उल्लेखनीय योगदान रहा। जिले में अवैध मदिरा की बिक्री एवं अवैध परिवहन के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी।

तिलक लगाकर और ठंडाई पिलाकर दे रहे दान का सहयोग...

झाबुआ/थांदला। संजय जैन-ब्यूरो। धर्म नगरी थांदला की बात ही कुछ निराली है। यहाँ बड़े से बड़ा कार्य जन सहयोग से सहज ही सम्पन्न हो जाता है। नगर के अनेक भामाशाह तन-मन-धन से सहयोग करने में किसी भी प्रकार से पीछे नही हटते है।

सबको तिलक लगाकर सम्मानित किया... भोलें भण्डारा परिवार संयोजक पवन नाहर ने बताया कि आगामी 22 जून को दाहोद से अमरनाथ यात्रा 2025 में कश्मीर के चंदनवाड़ी में लगने वाले भंडारे के लिए रसद पहुँचाई जाना है। जिसके एकत्रीकरण के लिए भोला भंडारा परिवार थांदला के शिव भक्त नगर में सहयोग राशि एकत्रीकरण के लिए निकल रहे है। ऐसे में नगर के समाजसेवी संतोष व प्रदीप सोनी के आवास पर पहुंचे साथ ही सनफ्रेंड गारमेंट्स के नीरज सौलंकी ने भी सबको तिलक लगाकर केसरिया शिव दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान करते हुए विषम परिस्थितियों में चंदनवाड़ी में लगने वालें लंगर की सराहना करते हुए सहयोग राशि प्रदान की। इस अवसर पर शिव आरधक प्रकाश सोनी, समरथ प्रजापत महाराज, मोहन चौहान, श्रीमंत अरोड़ा व चिंटू बैरागी मौजूद थे।

अमरनाथ साइन बोर्ड ने पुरुस्कृत भी किया था उल्लेखनीय है कि दाहोद के विक्की के नेतृत्व में चंदनवाड़ी में विगत 22 वर्षों से संचालित भोला भण्डारा लंगर को अमरनाथ साइन बोर्ड द्वारा पुरुस्कृत भी किया जा चुका है। विगत 7 वर्षों से पूरे झाबुआ ज़िलें से भी इस लंगर में भोला भण्डारा परिवार के माध्यम से सहयोग दिया जा रहा है। जिसमें श्रीमंत अरोड़ा, सचिन प्रजापत, मनोहरदास चौहान, पवन नाहर, आत्माराम शर्मा, मनोज उपाध्याय, मनीष अहीरवाल, तुलसी मेहते, राजू धानक, शैलेन्द्र चौहान, राकेश जोझा, रमेशचन्द्र हिहोर, मनीष जैन, अमृतलाल चौहान, कन्हैयालाल पालीवाल, आदि भी दान संग्रहण के सहयोगी बन रहे है।

कुकड़ेश्वर नगर में हो रहा है घटिया निर्माण

राजू पटेल कुकडेश्वर *वार्ड नंबर 1 हरिजन बस्ती में लोक निर्माण विभाग रोड बन रहा है जबकि पूर्व में यह रोड पूर्व विधायक विजेंद्र सिंह मालाहेड़ा के कार्यकाल में डामर रोड बना था। कुकड़ेश्वर से भदाना रोड बना हुआ है। इस अच्छे रोड को उखाड़ कर इसी रोड को पी डब्ल्यू डी बना रहा है। नगरीय क्षेत्र की सीमा में पूर्व में यह डामर रोड बना हुआ था। अभी इसका काम वार्ड नंबर 1 हरिजन बस्ती से चालू है । हरिजन बस्ती में बिना गुणवत्ता घटिया निर्माण हो रहा है ऐसा वार्ड के लोगो का कहना है आपको बतादे इस रोड को पीडब्ल्यूडी विभाग बना रहा है। रोड को खोदकर इसी रोड का मटेरियल को काम में लिया जा रहा है जो नियम विरुद्ध है। जिला प्रशासन संज्ञान लेकर इस घटिया रोड निर्माण कार्य को रुकवा कर जांच करावे ताकि इसमें भ्रष्टाचार का अंदेशा न रहे।*

पत्रकारो के खिलाफ फेसबुक सोशल मीडीया पर अनर्गल टिप्पणी करने वाले व्यक्ति अर्पित सिह पवार के खिलाफ कार्यवाही को लेकर अलीराजपुर के पत्रकारो ने एसपी को सौपा ज्ञापन

आशीष वाणी आलीराजपुर आलीराजपुर जिला मुख्यालय पर रहने वाले एक व्यक्ति अर्पित सिह पंवार के द्वारा सोशल मीडीया फेसबुक पेज पर जिले के पत्रकारो के खिलाफ अनर्गल टिप्पणी की गई जिसको लेकर जिले के पत्रकारो मे आक्रोश व्याप्त है। जिला मुख्यालय के पत्रकारो ने स्थानीय डाक बंगले पर एक बैठक आयोजित कर दोषी व्यक्ति अर्पित सिह पंवार के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने को लेकर चर्चा की उसके बाद सभी पत्रकार एक साथ एसपी कार्यालय पहुंचे ओर एसपी राजेश व्यास को पुरे घटना क्रम से अवगत कराकर अर्पित सिह के खिलाफ कार्रवाई को लेकर एक आवेदन दिया। पत्रकारो का कहना है की अर्पित सिह का किसी पत्रकार से उसका निजी झगडा है तो उसे अपने तरीके से निपटे उसमे जिले के पत्रकारो के खिलाफ लिखना सही नही है जिस तरीके से अर्पित सिह ने आलीराजपुर जिले की मीडीया के खिलाफ आरोप लगाये है उससे पत्रकारो की छवी धूमिल हुई है। इस तरीके से मीडीया के खिलाफ सोशल मीडीया पर लिखने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की जाए । क्या लिखा ज्ञापन मे ज्ञापन मे लिखा गया की सोशल मीडीया के फेशबुक पेज पर आलीराजपुर के अर्पित सिह पंवार व्यक्ति द्वारा अलीराजपुर जिले के पत्रकारों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि नकली पत्रकार जिले में खुलेआम दादागिरी कर रहे हैं अधिकारियों, नेताओं, जनता को ब्लैकमेल करने का काम कर रहे हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल है - पुलिस कार्रवाई क्यों नहीं करती.महोदय, उक्त अर्पित सिंह पवार द्वारा उक्त पोस्ट सार्वजनिक रूप से सोशल मीडिया पर डालते हुए पूरे पत्रकार साथियों को अपमानित करने का निंदनीय कृत्य किया।यदि अर्पित सिंह पवार को या उनके किसी साथी तो किसी पत्रकार ने ब्लैकमेल किया हो या कोई डिमांड की हो या कोई घटना हुई हो तो इन्हें संबंधित पत्रकार का नाम लिख कर उसे मय सबूत सार्वजनिक करना चाहिए, इस तरह पूरी पत्रकार साथियों को इस तरह बदनाम करने का अधिकार इन्हें किसने दिया।

अर्पित सिंह पवार यह साबित करे कि पत्रकारों के विषय पर इस तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी करने का उसे अधिकार किसने दिया.. इसके आगे उसने लिखा कि - ये लोग कैमरा और माइक लेकर लोगों की इज्ज़त, व्यवसाय और मानसिक शांति पर हमला कर रहे हैं, वहीं ये नकली पत्रकार खुलेआम दादागिरी दिखा रहे हैं,कोई रोकने वाला नहीं। हमारी माँग है कि पुलिस ऐसे व्यक्ति पर तत्काल और सख्त कार्रवाई करे हम सभी पत्रकार भी चाहते हैं कि यदि कोई फर्जी पत्रकार है जो किसी को ब्लैकमेल कर रहा हो तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, किंतु इस तरह पूरे पत्रकारों को संबोधित करते हुए इस तरह अपमानजनक टिप्पणी करना बेहद निंदनीय एवं कार्यवाही योग्य है।श्रीमान अलीराजपुर जिले के पत्रकार अब और चुप नहीं बैठेंगे सच को सामने लाकर ही रहेंगे। इस प्रकार से अलीराजपुर जिले के पत्रकारों को खुलेआम अर्पित सिंह पवार के द्वारा बदनाम किया गया। जिससे पत्रकारों की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। श्रीमान यदि अर्पित सिंह पवार की किसी से दुश्मनी है तो वह नाम लेकर लिखे पूरे पत्रकार को क्यों टारगेट किया जा रहा है। श्रीमान से निवेदन हे कि अर्पित सिंह पवार के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाए। इस दोरान आवेदन देते समय पत्रकार आशीष अगाल, गोविन्दा गुप्ता,राकेश चौहान, मनीष अरोडा,रफिक कुरैशी,आशीष वाणी,सजय वाणी,गौरव मैलाना, मुस्तकिल मुगल,इरफान खान, इरशाद मंसुरी, फिरोज पठान सहीत पत्रकार साथी मोजुद थे।

मेट्रो चलते से ही पहले रील की स्पीड ने गति पकड़ी थी, वही नामकरण में चली विजयवर्गीय की ही....

सुपर कॉरिडोर के नाम बदलकर रखे विरांगनाओं के नाम...

संजय जैन (सह-संपादक)
942510-1357 883910-7012
गिद्ध दृष्टि

झाबुआ/इंदौर संजय जैन। इंदौर खाने-खिलाने के मामले में चटोरा तो है ही जो कि जग जाहिर भी है,लेकिन सोशल मीडिया में भी किसी से पीछे नहीं है। यह बात मिली मेट्रो की सौगात ने भी सिद्ध कर दिया। मेट्रो का वर्चुअल उदघाटन तो भोपाल से प्रधानमंत्री मोदी ने किया था,लेकिन देवी अहिल्या बाई टर्मिनल पर तो सुबह 9 बजे बाद से ही भीड़ जुटने के साथ रील, वीडियो बनाने का सिलसिला एस्केलेटर से पहली मंजिल पर पहुंचने के दौरान ही शुरु हो गया था। स्टेशन पर खड़ी मेट्रो के साथ फोटो-वीडियो सोशल मीडिया पर खटाखट दौड़ने भी लग गए थे। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, सांसद शंकर लालवानी, महापौर पुष्यमित्र भार्गव सहित भाजपा नेता-विधायक आदि तल मंजिल पर पूजन में शामिल हुए,तब पूजन को भी कई लोग फेसबुक पर लाइव चला रहे थे। पहली मंजिल पर बड़ी स्क्रीन लगी थी, जिस पर भोपाल का कार्यक्रम लाइव चल रहा था।

नरेंद्र मोदी- प्रधानमंत्री

सुपर कॉरिडोर के नाम बदलकर,रखे विरांगनाओं के नाम...

कैलाश विजयवर्गीय मंत्री व महापौर पुष्य मित्र भार्गव

मेट्रो के शुभारंभ के पूर्व नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा था कि मेट्रो स्टेशनों के नाम वीरांगनाओं के नाम पर रखे जाएंगे । मध्य प्रदेश मेट्रो प्रशासन ने आज शुरू होने वाले सभी पांच स्टेशनों के नाम वहां के लैंडमार्क के सुपर कॉरिडोर वन, टू, थ्री के हिसाब से रख दिए थे । सभी स्टेशनों पर नाम भी अंकित हो गए थे । ट्रेन के अंदर भी स्टेशनों के नाम लिख दिए गए थे। प्राप्त जानकारी नुसार कैलाश विजयवर्गीय इस बात को लेकर अड़े रहे कि पांचो मेट्रो स्टेशनों के नाम वीरांगनाओं के नाम पर रखे जाएं,आखिर रातों-रात सभी स्टेशनों के नाम और मेट्रो ट्रेन में भी नाम बदल दिए गए।अब पांचो स्टेशनों के नाम रानी दुर्गावती, रानी झलकारी बाई आदि हुए हैं तो उसका श्रेय तो मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को जाना लाजमी तो है।

हाथों में पार्थिव शिवलिंग और जयकारे..

मेट्रो में सफर करती मातृ शक्ति महिलायें

मेट्रो में सवार हुईं महिलाओं में से एक जत्था हाथ में पार्थिव शिवलिंग लिए हुए शामिल हुई थी। डिब्बे में अहिल्या देवी अमर रहे का घोष और कुछ देर बाद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री के साथ विजयवर्गीय के जयकारे भी गूंज उठे थे। विजयवर्गीय-मेंदोला खेमे से पार्षद पूजा पाटीदार मेट्रो शुरु हो जाने से काफी रोमांचित थीं। उन्होंने बताया कि हम टेम्पो और नगर सेवा में तो खूब घूमे लेकिन आज मेट्रो में घूम रहे हैं। उन्होंने । मेट्रो की पहली यात्रा महिलाओं को बैठाकर की गयी थी।

डॉ. मोहन यादव-मुख्यमंत्री

उद्घाटन का विहंगम दृश्य

सारे अधिकारी जुटे हुए थे....

कमिश्नर दीपक सिंह, सीपी संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर आशीष सिंह, निगमायुक्त शिवम वर्मा, सीईओ विकास प्राधिकरण आरपी अहिरवार आदि व्यवस्था पर नजर रखे हुए थे। दोपहर में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रिमोट का बटन दबाकर मेट्रो ट्रैन का वर्चुअल उदघाटन किया तब उसी वक्त केंद्रीय राज्यमंत्री साहू, मंत्री विजयवर्गीय और सांसद लालवानी ने शंख ध्वनि के बीच मेट्रो की रवानगी की।

अंग्रेजों को सबक सिखाते हुए शहीद हो गई थी...

घनश्याम शेर के नेतृत्व में स्वागत

वीरांगना झलकारी बाई स्टेशन नाम रखने पर समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष घनश्याम शेर के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों ने मंत्री विजयवर्गीय सहित अन्य का सम्मान भी किया। पूर्व पार्षद शेर ने बताया कि रानी दुर्गावती से झलकारी बाई की सूरत काफी मिलती जूती थी वे देश को बचाने के लिए ,अंग्रेजों को सबक सिखाते हुए शहीद हो गई थी। देवी अहिल्या बाई होलकर टर्मिनल से जैसे ही मेट्रो रवाना हुई यात्री तिरंगा लहराते हुए भारत माता की जय के नारे लगाने लगे थे।

संपादकीय

बैंक जमा बीमा के स्तर को बढ़ाने की कवायद के मायने

बैंकिंग अभी भी एक अस्थिर कारोबार है। यह भी एक वजह है जिसके चलते जमा का बीमा किया जाता है। बैंक ज्यादातर अल्पावधि के जमा के आधार पर लंबी अवधि के ऋण देते हैं। अगर सभी जमाकर्ता एक साथ अपनी राशि वापस मांगें तो शायद कोई भी बैंक उनका पैसा वापस करने की स्थिति में नहीं होगा। ऐसे में किसी बैंक के नाकाम होने की खबर मात्र भी उसकी नाकामी की वजह बन सकती है। जमा बीमा यह सुनिश्चित करता है कि जमाकर्ता अपने पैसे की निकासी की हड़बड़ी न करें क्योंकि ऐसा होने पर तनाव के समय हालात खराब हो सकते हैं।

केंद्र सरकार बैंक जमा बीमा के स्तर को मौजूदा 5 लाख रुपए से बढ़ाने पर विचार कर रही है। हालांकि अंतिम निर्णय अभी तक नहीं लिया गया है लेकिन इस सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपए किया जा सकता है। जमा राशि का बीमा जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम द्वारा किया जाता है जो वाणिज्यिक और सहकारी बैंकों में हर प्रकार के जमा को कवर करता है। सरकार द्वारा जमा पर बीमा की सीमा बढ़ाने पर विचार किया जाना वास्तव में स्वागतयोग्य कदम है। मौजूदा अनुमानों के मुताबिक बीमाकृत बैंकों के 98 फीसदी खातों को बीमा सुरक्षा हासिल है जबकि सुलभ जमा खातों में से केवल 43 फीसदी ही सुरक्षित हैं। ऐसे में बीमा की सीमा बढ़ाने से जमा अधिक सुरक्षित होगा। चूंकि नीति निर्माता अभी भी सीमा बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं इसलिए बेहतर होगा कि वे ग्राहकों के बीच प्रौद्योगिकी को तेजी से अपनाए जाने के साथ-साथ हालिया वैश्विक घटनाक्रम को भी ध्यान में रखें। यह बात भी ध्यान में रखनी चाहिए कि बैंकिंग अभी भी एक अस्थिर कारोबार है। यह भी एक वजह है जिसके चलते जमा का बीमा किया जाता है। बैंक ज्यादातर अल्पावधि के जमा के आधार पर लंबी अवधि के ऋण देते हैं। अगर सभी जमाकर्ता एक साथ अपनी राशि वापस मांगें तो शायद कोई भी बैंक उनका पैसा वापस करने की स्थिति में नहीं होगा। ऐसे में किसी बैंक के नाकाम होने की खबर मात्र भी उसकी नाकामी की वजह बन सकती है। जमा बीमा यह सुनिश्चित करता है कि जमाकर्ता अपने पैसे की निकासी की हड़बड़ी न करें क्योंकि ऐसा होने पर तनाव के समय हालात खराब हो सकते हैं। हालांकि, अगर बीमा की सीमा बहुत कम रहती है तो वांछित उद्देश्य ही पूरा नहीं होगा। इसी वजह से इस सीमा में नियमित रूप से इजाफा किया जाता है। इसकी सीमा को वर्ष 2020 में एक लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए किया गया था। तकनीक के व्यापक रूप से अपनाए जाने को देखते हुए अब यह संभव हो गया है कि बैंकों के ग्राहक अपने फंड को दिन में किसी भी समय, बिना बैंक शाखा गए हस्तांतरित कर सकें। इससे संकट के समय समस्या बहुत बड़ी हो सकती है। ऐसे में यह महत्त्वपूर्ण है कि जमा बीमा की सीमा में इजाफा किया जाए ताकि किसी बैंक की नाकामी की स्थिति में जमाकर्ताओं को नुकसान का जोखिम खत्म किया जा सके। यह न केवल व्यक्तिगत जमाकर्ताओं के नजरिये से महत्त्वपूर्ण है बल्कि यह बैंकिंग की स्थिरता बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा। एक परस्पर जुड़ी वित्तीय व्यवस्था में घबराहट बहुत तेजी से फैल सकती है और अच्छे से अच्छे बैंक में नकदी संकट की शुरूआत कर सकती है। वर्ष 2023 के सिलिकन वैली बैंक संकट का उदाहरण लिया जा सकता है। तब घबराहट फैलने के कारण संबंधित अधिकारियों ने घोषणा की थी कि प्रत्येक जमा की रक्षा की जाएगी। इसके चलते व्यापक बैंकिंग संकट से बचने में मदद मिली। यहां तक कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी जमाकर्ताओं को आश्वस्त करने के लिए हस्तक्षेप किया था। जमा बीमा की सीमा में महत्त्वपूर्ण इजाफा करने की बुनियादी वजह यह है कि व्यक्तिगत जमाकर्ताओं से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वे धनराशि जमा करने के पहले बैंकों की बैलेंस शीट का विश्लेषण करेंगे। बैंक खाता एक बुनियादी आधुनिक आवश्यकता है।

हिंदी पत्रकारिता के 1999 साल : 19वीं सदी से लेकर डिजिटल युग तक

नौकरशाही, सरकार और आम जनता भी अक्सर हिंदी पत्रकारिता को कम महत्व देती है। इसके बावजूद, डिजिटल क्रांति और हिंदी भाषी आबादी की विशालता इसे अपार संभावनाएँ प्रदान करती है। आइए, हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों, कमजोरियों और संभावनाओं पर नजर डालें।

हिंदी पत्रकारिता भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक परिदृश्य का एक अभिन्न हिस्सा रही है। यह सूचना का माध्यम होने के साथ-साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने और जनमत को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। 19वीं सदी से लेकर आज के डिजिटल युग तक, हिंदी पत्रकारिता ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। लेकिन इसे कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें अंग्रेजी पत्रकारिता की त??ना में इसे कमतर माने जाने की धारणा प्रमुख है।नौकरशाही, सरकार और आम जनता भी अक्सर हिंदी पत्रकारिता को कम महत्व देती है। इसके बावजूद, डिजिटल क्रांति और हिंदी भाषी आबादी की विशालता इसे अपार संभावनाएँ प्रदान करती है। आइए, हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों, कमजोरियों और संभावनाओं पर नजर डालें।

उदन्त मार्तण्ड से चला काफिला

हिंदी पत्रकारिता का इतिहास हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत 1826 में कोलकाता से पं. जुगल किशोर शुक्ल द्वारा प्रकाशित उदंत मार्तंड के साथ हुई। शुरुआती दौर में अंग्रेजी भाषा के प्रभुत्व और संसाधनों की कमी ने इसके विकास में बाधा डाली। 19वीं सदी के उत्तरार्ध में बनारस अखबार, सरस्वती और हरीशचंद्र पत्रिका जैसे समाचार पत्रों ने हिंदी पत्रकारिता को गति दी।

स्वतंत्रता संग्राम में प्रताप और वीर भारत जैसे समाचार पत्रों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ जनमत तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता के बाद दैनिक जागरण, अमर उजाला और दैनिक भास्कर जैसे समाचार पत्र हिंदी भाषी क्षेत्रों में लोकप्रिय हुए।

डिजिटल युग में ऑनलाइन समाचार पोर्टल्स और डिजिटल संस्करणों ने हिंदी पत्रकारिता की पहुँच को भारत और विदेशों में बसे हिंदी भाषी समुदायों तक बढ़ाया। आज यह समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, टेलीविजन चैनलों और ऑनलाइन मंचों के माध्यम से राजनीति, समाज, संस्कृति, खेल और मनोरंजन जैसे विविध विषयों को कवर करती है।

हिंदी पत्रकारिता¯ चुनौतियां ही चुनौतियां

हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियाँ हिंदी पत्रकारिता को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बड़ी चुनौती है अंग्रेजी पत्रकारिता की तुलना में इसे कमतर माने जाने की धारणा। नौकरशाही और सरकार अंग्रेजी पत्रकारिता को अधिक गंभीरता और पेशेवरता के साथ देखते हैं, क्योंकि इसे वैश्विक और कुलीन वर्ग से जोड़ा जाता है। आम जनता भी अंग्रेजी समाचार पत्रों और चैनलों को अधिक विश्वसनीय मानती है, भले ही हिंदी भारत की राष्ट्रीय भाषा हो।

इसके अलावा, 24/7 समाचार चक्र और प्रतिस्पर्धा के दबाव में सटीकता, निष्पक्षता और वस्तुनिष्ठता बनाए रखना मुश्किल है। राजनीतिक दबाव भी एक बड़ी समस्या है, क्योंकि कुछ मीडिया संस्थान राजनीतिक दलों या हितों के प्रभाव में आ जाते हैं, जिससे संपादकीय स्वतंत्रता प्रभावित होती है। डिजिटल मंचों की ओर बदलाव और प्रिंट विज्ञापन जैसे पारंपरिक राजस्व स्रोतों में कमी ने आर्थिक चुनौतियां पैदा की हैं।

सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं का प्रसार भी एक गंभीर समस्या है। हिंदी भाषी आबादी में भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के कारण विभिन्न बोलियों और शिक्षा स्तरों वाले समुदायों तक पहुँचना चुनौतीपूर्ण है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच डिजिटल विभाजन और अनैतिक या सनसनीखेज रिपोर्टिंग से विश्वसनीयता का संकट और गहराता है।

कमजोरियां भी तो हैं हिंदी पत्रकारिता की कमजोरियाँ हिंदी पत्रकारिता की कुछ कमजोरियाँ इसके विकास में बाधा डालती हैं। सनसनीखेज पत्रकारिता एक प्रमुख समस्या है, जहाँ सूचनात्मक सामग्री के बजाय मनोरंजन पर ध्यान दिया जाता है। गहन खोजी पत्रकारिता की कमी भी देखी जाती है, जो संसाधनों की कमी, अपर्याप्त प्रशिक्षण या प्रतिशोध के डर के कारण है। राजनीतिक पक्षपात के कारण कवरेज में विविध दृष्टिकोणों की कमी रहती है। तेजी से समाचार प्रकाशित करने की होड़ में तथ्य-जाँच को अक्सर नजरअंदाज किया जाता है, जिससे गलत सूचनाएँ फैलती हैं।

हिंदी पत्रकारिता का दायरा कभी-कभी क्षेत्रीय या राष्ट्रीय मुद्दों तक सीमित रहता है, जिससे वैश्विक घटनाओं की अनदेखी होती है। हिंदी की विभिन्न बोलियों और अन्य भाषाओं को बोलने वाले समुदायों तक पहुँचने में भाषा एक बाधा बनती है। अंग्रेजी मीडिया की तुलना में नई तकनीकों को अपनाने में देरी भी एक कमजोरी है। सबसे महत्वपूर्ण, अंग्रेजी पत्रकारिता की तुलना में हिंदी पत्रकारिता को कमतर माने जाने की धारणा इसके आत्मविश्वास और प्रभाव को कमजोर करती है।

हिंदी पत्रकारिता में अपार संभावनाएं

हिंदी पत्रकारिता की संभावनाएँ इन चुनौतियों और कमजोरियों के बावजूद, हिंदी पत्रकारिता में अपार संभावनाएँ हैं। भारत की विशाल हिंदी भाषी आबादी इसे एक व्यापक दर्शक वर्ग प्रदान करती है। डिजिटल मंचों ने हिंदी पत्रकारिता को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने का अवसर दिया है। डिजिटल तकनीकों को अपनाकर, जैसे ऑनलाइन न्यूज़ पोर्टल्स, मोबाइल ऐप्स और सोशल मीडिया मंच, हिंदी पत्रकारिता अपनी पहुंच और प्रभाव बढ़ा सकती है।

पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण और कार्यशालाएँ खोजी पत्रकारिता, तथ्य-जाँच और नैतिक पत्रकारिता को बढ़ावा दे सकती हैं। पत्रकारों, मीडिया संगठनों, नीति निर्माताओं और नागरिक समाज के बीच सहयोग से पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिल सकता है।

हिंदी की विभिन्न बोलियों और स्थानीय भाषाओं को शामिल करके पत्रकारिता को अधिक समावेशी बनाया जा सकता है। वैश्विक मुद्दों और दृष्टिकोणों को शामिल करके दर्शकों की समझ और जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। हिंदी पत्रकारिता को कमतर माने जाने की धारणा को बदलने के लिए गुणवत्तापूर्ण और निष्पक्ष पत्रकारिता पर ध्यान देना होगा। पेशेवरता और विश्वसनीयता को बढ़ावा देकर यह नौकरशाही, सरकार और आम जनता के बीच अपनी साख मजबूत कर सकती है।

क्यों कमतर है अंग्रेजी पत्रकारिता से?

हिंदी पत्रकारिता भारत के लोकतांत्रिक ढांचे और सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अंग्रेजी पत्रकारिता की तुलना में इसे कमतर माने जाने की धारणा, राजनीतिक दबाव, आर्थिक अस्थिरता और सनसनीखेज पत्रकारिता इसके विकास में बाधा डालती हैं।

फिर भी, डिजिटल क्रांति और हिंदी भाषी आबादी की विशालता इसे अपार संभावनाएँ प्रदान करती है। डिजिटल नवाचार, पत्रकारीय प्रशिक्षण, नैतिकता और समावेशी दृष्टिकोण को अपनाकर हिंदी पत्रकारिता अपनी विश्वसनीयता को पुनर्जनन कर सकती है और एक सशक्त, जागरूक समाज के निर्माण में योगदान दे सकती है।

कलेक्टर ने वन्य प्राणी के हमले से घायल एवं मृतक ग्रामवासियों के परिजनों से की मुलाकात,,सहायता हेतु किया आश्वस्त

राजेश नाहर 9479973888 बड़वानी कलेक्टर सुश्री गुंचा सनोबर सोमवार को राजपुर तहसील के ग्राम लिम्बई पहुंचकर अज्ञात वन्य प्राणी के हमले से घायल ग्रामवासियों एवं मृतक ग्रामवासियों के परिजनों से मिलकर उन्हे शासन से नियमानुसार मिलने वाली हरसंभव सहायकता के संबंध में आश्वस्त किया। इस दौरान एसडीएम बड़वानी भूपेन्द्र रावत, सीएमएचओ डॉ. सुरेखा जमरे, सिविल सर्जन डॉ. अनिता सिंगारे वन विभाग के अधिकारी सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामवासी उपस्थित थे। कलेक्टर ने घायल नागरिकों के स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेकर अज्ञात वन्य प्राणी के संबंध में चर्चा की। इस दौरान उन्होने खण्डवा से आई चिकित्सकों की टीम से घायलों का स्वास्थ्य परीक्षण गहनता से करने हेतु निर्देशित किया। साथ उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को भी निर्देशित किया कि ग्रामीणों के उपचार में कोई लापरवाही न बरती जाये उन्हे हर आवश्यक चिकित्सा सुविधा एवं वन्य प्राणी के हमले से घायल होने पर कर जाने वाला सम्पूर्ण टीकाकरण भी करवाया जाये। प्रतिदिन स्वास्थ्य

विभाग के सुपरवाईजर ग्राम में आकर घायल लोगों की मानीटरिंग करे एवं उन्हे आवश्यक उपचार प्रदान किया जाये। कलेक्टर ने उपस्थित वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्टाफ बढ़ाए, ग्राम में पिंजरा रखवाये एवं निगरानी बढ़ाते हुए कैमरा भी लगवाया जाये। साथ ही मृतकों को शासन के नियमानुसार मिलने वाली आर्थिक सहायता राशि की कार्यवाही प्रारंभ करते हुए आर्थिक सहायता राशि दी जाये।

पूजा प्रजापति ने नाशिक सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया

विशाल बाबा नामदेव बाग - बाग की बेटी पूजा राजू प्रजापति ने एक बार फिर बाग का नाम अपने अच्छे प्रदर्शन से रोशन कर महाराष्ट्र के नाशिक नेशनल सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया । 18 वा जीएफआई नेशनल ग्रेपलिंग चेम्पियनशिप खेल 30 मई से 31 मई 1 जून तक नाशिक महाराष्ट्र में आयोजित हुआ यह प्रतियोगिता यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के तत्वावधान में भारतीय ग्रेपलिंग संघ द्वारा आयोजित कीया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा ताई खड़से द्वारा किया गया जिसमें बाग कि होनहार बेटी पूजा राजू प्रजापति ने इस प्रतियोगिता मे भाग लेकर एक बार फिर बाजी मारते हुए नाशिक नेशनल चेम्पियनशिप 2025 के सिल्वर मेडल पर कब्जा जमाया ये छोटे गांव बाग के लिए बड़ी गौरव की बात है कि गरीब परिवार में पली बड़ी हुई पूजा प्रजापत लगातार

इन प्रतियोगिताओं में भाग लेकर बाग नगर को गोरवान्वित कर रही है । बाग की बेटी की इस सफलता पर नगर को बड़ा गर्व है साथ ही परिवार सहित नगरवासियों ने पूजा को बधाई देते हुए बाग का गौरव बताया पूजा प्रजापत ने बताया की इस नेशनल चेम्पियनशिप में जो सफलता मुझे मीली हे वह मेरे कोच संजय पंवार सर का बड़ा योगदान है साथ मेरे माता पिता जो कभी मेरा होंसला कम नहीं होने देते हरबार मेरा होंसला बढ़ाते हैं । उनके आर्शीवाद से मेरी सफलता की यह सिढीया में चढ़ पाती हूं । पूजा ने यह भी बताया की यहां प्रेक्टिस करने के लिए कोई ग्राउंड नहीं है जिसको लैकर भी मुझे बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है । वह तो मेरे सरो का बड़ा योगदान रहता है तो मुझे फोन पर ही सारी चिजे बताते समझाते ओर होंसला देते हे तो में इस मुकाम तक पहुंच जाती है । सुविधाओं का यहां बड़ा अभाव है अगर एसा कोई ग्राउंड हो जाए जहां में आसानी से अपनी प्रेक्टिस कर सकूं तो ओर भी बहुत कुछ कर सकती हू।

पचमढ़ी राजभवन में कल होगी कैबिनेट बैठक

पचमढ़ी स्थित धूपगढ़ पहाड़ीः प्रकृति और इतिहास का अविस्मरणीय संगम

गोंड शासक राजा भभूत सिंह के शौर्य और पराक्रम की स्मृति को चिर स्थायी बनाने के प्रयास

भोपाल-मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में 3 जून मंगलवार को पचमढ़ी के राजभवन में मंत्रि-परिषद की बैठक होगी। विरासत से विकास और जनजातीय नायकों को सम्मान देने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. यादव और राज्य शासन कृत संकल्पित है।

राजा भभूत सिंह के शौर्य को समर्पित होगी केबिनेट मंत्रि-परिषद की बैठक विशेष रूप से जनजातीय समाज और शौर्य पराक्रम के प्रतीक रहे राजा भभूत सिंह की स्मृति को समर्पित होगी, जिनकी ऐतिहासिक भूमिका को मंत्रि-परिषद की बैठक के दौरान पुनः स्मरण किया जाएगा। पचमढ़ी गोंड शासक राजा भभूत सिंह के ऐतिहासिक योगदान को समेटे हुए है। उन्होंने इस पहाड़ी भूभाग का उपयोग शासन संचालन, सुरक्षा और सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा के लिए किया।

शानदार विरासत पचमढ़ी पचमढ़ी भगवान भोलेनाथ की नगरी के रूप में भी प्रसिद्ध है। पचमढ़ी की धूपगढ़ चोटी समुद्र तल से लगभग 1,350 मीटर (4,429 फीट) की ऊँचाई पर स्थित है। यह स्थल सतपुड़ा पर्वतमाला का प्रमुख आकर्षण है। धूपगढ़ से दिखाई देने वाला सूर्योदय और सूर्यास्त न केवल पर्यटकों को मंत्रमुग्ध करता है, बल्कि यह स्थल गोंड साम्राज्य की रणनीतिक शक्ति और प्राकृतिक संरक्षण दृष्टिकोण को भी दर्शाता है। पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन भी है। मंत्रि-परिषद की बैठक का आयोजन प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। यह पचमढ़ी की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक विरासत को सम्मानित करने का अवसर है।

देवास में हाइटेक उपकरणों से छाप रहे थे नकली नोट, पांच आरोपी, 15.41 लाख रुपए की करंसी मिली

राजेन्द्र योगी देवास देवास पुलिस के हत्थे नकली नोट बनाने वाला बडा रैकेटे लगा हैं. पांच शातिर बदमाश हाइटेक उपकरणों के सहारे नकली नोट छाप रहे थे. पुलिस की दबिश में इनके पास से 15.41 लाख रुपए की करंसी मिली हैं. नकली नोट छापने की साजिश मुख्य आरोपी ने जेल में रहने के दौरान बनाई थी.

1 जून को थाना प्रभारी बैंक नोट प्रेस को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली कि आरोपी सचिन नागर एवं शुभम वर्मा नकली नोट लेकर जा रहे है। इनकी घेराबंदी के लिए टीआई अमित सोलंकी के नेतृत्व में दो विशेष टीमों का गठन किया गया। उक्त टीमों ने आरोपी सचिन नागर एवं शुभम वर्मा को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 1,96,200/- के नकली नोट एवं एक काली रंग की मोटरसाइकिल जब्त की. आरोपियों के विरूद्ध थाना बैंक नोट प्रेस में धारा 178,179,180, 61(2) क्व्हस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त आरोपियों से पूछताछ में ज्ञात हुआ कि आरोपी राजकुमार मालवीय ग्राम सोनकच्छ, द्वारा अपने निवास पर नकली नोटों का निर्माण किया जा रहा है। तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस टीमों के द्वारा आरोपी राजकुमार के घर पर दबिश दी गई, जहां से आरोपी राजकुमार मालवीय एवं सुनील पाटिल को गिरफ़्तार कर उनके कब्जे से 13,25,000/- के 500-500 की नकली नोटों की गड्डियाँ तथा नोट निर्माण में प्रयुक्त उपकरण एवं अन्य सामग्री बरामद की गई। बाद अनुसंधान

में आरोपी शक्ति सिंह चावड़ा को भी गिरफ्तार किया गया।

जप्तशुदा सामग्री - 15,41,200/- के नकली नोट, लैपटॉप, प्रिंटर, स्केनिंग पेटी, 100-200-500 के अर्द्ध छपे प्रिंट पेपर एवं 02 मोटर साइकिल जब्त।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम - सुनील पाटिल पिता बाबूराव पाटिल उम्र 38 वर्ष निवासी खकनार जिला बुरहानपुर ।

राजकुमार मालवीय पिता सिद्धनाथ उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम खेडाखजुरिया सोनकच्छ ।

सचिन नागर पिता तेज सिंह उम्र 27 वर्ष निवासी ग्राम दुधलाई सोनकच्छ ।

शुभग वर्मा पिता दिनेश वर्मा उम्र 23 वर्ष निवासी ग्राग आगरोद देवास।

शक्ति सिंह चावड़ा पिता दिग्विजय सिंह उग्र 19 वर्ष निवासी ग्राम आगरोद देवास

रामा में शासकीय योजनाओं की राशि का दुरुपयोग करने वाले प्रकरण के तीसरे आरोपी पवन मिश्रा को जेल भेजा

संजय जैन जिला ब्यूरो झाबुआ- दिनांक 17 अप्रैल 2025 को तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत रामा दिनेश वर्मा द्वारा थाना कालीदेवी में एक जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। जांच में यह सामने आया कि तत्कालीन सहायक लेखाधिकारी मोतीलाल अड (सेवानिवृत्त), सहायक ग्रेड-3 विक्रम पारगी तथा कम्प्युटर ऑपरेटर पवन मिश्रा द्वारा जनपद पंचायत रामा की विभिन्न शासकीय योजनाओं की राशि का दुरुपयोग करते हुए फर्जी फर्म बनाकर कुल ?1,92,41,843/- की राशि को अपने तथा परिजनों के खातों में स्थानांतरित किया गया। इस आधार पर थाना कालीदेवी में अपराध क्रमांक 82/2025 अंतर्गत धारा 406, 409, 420, 467, 468, 119, 120बी भादवि, बढाने धारा 7 (सी), 13 (1) ए, 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान आरोपी मोतीलाल अड (63 वर्ष, निवासी थांदला) एवं विक्रम पारगी (34 वर्ष, निवासी माछलिया) को दिनांक 23 मई 2025 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय झाबुआ में प्रस्तुत किया गया एवं प्रकरण के तीसरे आरोपी पवन मिश्रा (49 वर्ष,) को दिनांक 31 मई 2025 को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय झाबुआ में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल झाबुआ भेजा गया। प्रकरण की विवेचना जारी है।

नीमच पुलिस के ऑपरेशन ''नीमच आई'' को 16 सीसीटीवी कैमरे हुए प्राप्त, नीमच के मंडी व्यापारी द्वारा नीमच पुलिस की ईमानदारी से प्रेरित होकर डोनेट किये 16 सीसीटीवी कैमरे

राजू पटेल नीमच - पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था पर नियत्रंण एवं अपराधों की रोकथाम व अपराधियों के विरूध्द कार्यवाही एवं आपराधिक प्रकरणों में साक्ष्य संकलन व जान-माल की सुरक्षा हेतु शहर एवं ग्रामीण क्षैत्रों में जनसहयोग के माध्यम से सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक नीमच अंकित जायसवाल द्वारा '' नीमच आई '' नाम से अभियान प्रारंभ किया गया है। उक्त अभियान मुख्यत: तीन चरणों में प्रारंभ किया गया है। प्रथम चरण में कानून व्यवस्था की दृष्टी से संवेदनशील मार्गो पर सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाना, द्वितीय चरण में शहरी एवं ग्रामीण क्षैत्रों में स्थित विभिन्न समुदायों के धार्मिक स्थलों पर सी.सी.टी.वी. कैमरे एवं तृतीय चरण में ग्रामीण क्षैत्रों को कवर किया जा रहा है जिसमे हाईवे एवं अन्य मार्गो को चिन्हित कर ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी कैमरें लगाने संबंधी लक्ष्य रखा गया है। ऑपरेशन '' नीमच आई'' के तहत जन सहयोग से प्रथम चरण में कानून व्यवस्था की दृष्टी से संवेदनशील स्थानों पर 502 सी.सी.टी.वी. कैमरे, द्वितीय चरण में शहरी एवं ग्रामीण क्षैत्रों में स्थित विभिन्न समुदायों के धार्मिक स्थलों पर 219 सी.सी.टी.वी. कैमरे एवं तृतीय चरण में हाईवे एवं अन्य मार्गो को चिन्हित कर ग्राम पंचायतों में 806 सीसीटीवी कैमरें लगाये जा चुके है। इस प्रकार अभियान '' नीमच आई '' के माध्यम से वर्तमान तक कुल 1527 सीसीटीवी कैमरें जन सहयोग से लगवाये गये है। अप्रैल 2025 में मंडी व्यापारी संजय अग्रवाल के मुनीम गोपाल निवासी अमर कॉलोनी बघाना का वाहन से कृषि उपज मंडी चंगेरा जाने के दौरान एक्सीडेन्ट हो जाने से सिर में चोट लगने से बेहोश हो गये थें। उक्त घटना के द्धौरान श्रमदान कर रहे पुलिस कर्मियों द्वारा घायल की जानकारी ली जाकर गाड़ी पर रखे बैग की तलाशी के दौरान अत्यधिक मात्रा में नगदी रखी होने से निरीक्षक रेडियो मनीष गेहलोत द्वारा तत्काल पुलिस अधीक्षक अंकित जायसवाल को उक्त घटना के संबंध में जानकारी दिये जाने एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा निरीक्षक रेडियो मनीष गेहलोत को उक्त वाहन के संबंध में जानकारी प्राप्त कर मूल मालिक का पता लगाने संबंधी निर्देश दिये जाने के उपरांत दुपहिया वाहन मंडी व्यापारी संजय अग्रवाल के नाम होने से उसके मोबाईल नम्बर ज्ञात कर शीघ्र बैग में रखी नगदी को मूल मालिक संजय अग्रवाल को बुलाकर उनके सुर्पूद किया गया। मंडी व्यापारी संजय अग्रवाल द्वारा नीमच पुलिस की ईमानदारी को सलाम करते हुए नीमच पुलिस द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन '' नीमच आई '' की प्रशंसा की जाकर ऑपरेशन नीमच आई के तहत 16 सीसीटीवी कैमरे डोनेट किये गये। उक्त कैमरे जामा मस्जिद, कमल चौक, फरुट मंडी, ग्यारसीलाल चौराहा एवं कुम्हारा गली में लगवाये गये है।

पाकिस्तानी मौलवियों का वीडियो शेयर करना महंगा पड़ा तुरब अली मौलाना को ,हिन्दू सेना ने की शिकायत

उज्जैन पुलिस के पहुंचने से पहले भागा महिदपुर का मौलाना

पुलिस ने आरोपी मौलाना के खिलाफ किया केस दर्ज

उज्जैन- जिले के महिदपुर कस्बे में मौलाना तुरब अली ने सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी मौलवियों का एक कुर्बानी वाला विवादित वीडियो को पोस्ट कर दिया. अब इस पूरे मामले को लेकर जमकर हंगामा खड़ा हो गया है. हालांकि पुलिस के आने के पहले आरोपी मौलाना फरार हो गया.

उज्जैन जिले से 50 किलोमीटर दूर महिदपुर तहसील में रहने वाले मौलाना तुरब अली ने अपने फेसबुक अकाउंट से पाकिस्तान के 2 मौलवियों के वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया. इन वीडियो में ईद के मौके पर गाय की कुर्बानी को पुण्य का काम बताया गया है. वीडियो में एक पाकिस्तानी मौलवी धार्मिक शिक्षा देते हुए इसे सवाब (ईनाम) वाला काम कहता है. वीडियो वायरल

होने के बाद स्थानीय लोगों में जमकर नाराजगी फैल गई. अखंड हिंदू सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज प्रजापत ने इस मामले को गंभीर बताते हुए थाने में इसे लेकर शिकायत दर्ज करवाई है। अखंड हिंदू सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज प्रजापत का कहना है कि इस तरह की सामग्री समाज के बीच तनाव पैदा कर सकती है. हालांकि फिलहाल मौलाना तुरब अली फरार है. पुलिस उसकी तलाश कर रही है.

मौलाना पर कार्रवाई की मांग उठी अखंड हिंदू सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज प्रजापत का कहना है कि पाकिस्तान के मौलवियों के इस प्रकार के वीडियो शेयर करना सीधे-सीधे सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश है. हमने इसकी शिकायत की है ताकि ऐसे तत्वों पर लगाम लगाई जा सके. फिलहाल शिकायत के आधार पर महिदपुर पुलिस ने मौलाना तुरब अली के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 353(2) और 299 के तहत मामला दर्ज किया है।. यह सूत्रों से जानकारी मिली कि पुलिस को मौलाना के सोशल मीडिया अकाउंट की जांच में और भी विदेशी सामग्री मिली है, जिसकी जांच की जा रही है।

इनका कहना महिदपुर थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह परिहार का कहना है कि पुलिस को विवादित वीडियो की पेन ड्राइव भी सौंपी गई है और मामले की जांच तेजी से की जा रही है। फिलहाल मौलाना तुरब अली फरार बताए जा रहे हैं और उनकी तलाश जारी है। हमने मौलाना के घर पर भी दबिश दी है. उनके सोशल मीडिया अकाउंट की जांच की जा रही है ताकि और भी कोई आपत्तिजनक सामग्री हो तो उस पर भी कार्रवाई की जा सके।

नगर परिषद मनासा द्वारा रानी लक्ष्मीबाई मार्ग पर निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स की दुकानों की नीलामी को लेकर कांग्रेस ने मोर्चा खोला

राजू पटेल मनासा- नगर परिषद मनासा द्वारा रानी लक्ष्मीबाई मार्ग पर निर्माणाधीन कॉम्प्लेक्स की दुकानों की नीलामी को लेकर भारी विवाद खड़ा हो रहा है। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र श्याम सोनी, कांग्रेस पार्षद सत्यनारायण लक्ष्यकर और बाबूलाल कुशवाहा ने इस मामले में जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपी है।सागर मंथन शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नगर परिषद ने कुल 12 दुकानों में से सिर्फ 4 दुकानों की ऑनलाइन नीलामी की प्रक्रिया बिना किसी आरक्षण व्यवस्था के शुरू की है,जो पूरी तरह से नियमों के खिलाफ है।शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यह नीलामी मध्यप्रदेश नगर पालिका (चल-अचल संपत्ति अंतरण) नियम 1916 के विपरीत है। नियमों के अनुसार नीलामी प्रक्रिया में पारदर्शिता, आरक्षण व्यवस्था तथा नगर परिषद की बैठक में प्रस्ताव

पारित होना आवश्यक है, लेकिन इन सभी प्रक्रियाओं को दरकिनार कर मनमानी ढंग से नीलामी की जा रही है।सवाल यह भी उठ रहे हैं कि जब कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य अभी प्रथम मंजिल तक 50त्न ही पूर्ण हुआ है, तब अधूरी दुकानों में से केवल 4 दुकानों की नीलामी क्यों की जा रही है? शेष 8 दुकानों के बारे में कोई स्पष्टता नहीं है। इससे नगर में चर्चाओं का माहौल गर्म है कि क्या यह पूरा मामला 'सेटिंग' और 'भ्रष्टाचार' का हिस्सा है।कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि इस संपूर्ण नीलामी प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और नीलामी से पहले नगर परिषद की बैठक में विधिवत प्रस्ताव पारित किया जाए। साथ ही नियमानुसार आरक्षण लागू कर सभी दुकानों की नीलामी पारदर्शी तरीके से की जाए, ताकि नगर की जनता का प्रशासन पर विश्वास बना रहे।शिकायत में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि प्रशासन द्वारा इस मामले में शीघ्र संज्ञान नहीं लिया गया, तो कांग्रेस जन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। नगर परिषद की पूरे प्रकरण में सवाल उठ रहे हैं और भ्रष्टाचार की बू महसूस की जा रही है।नगर की जनता भी इस मुद्दे पर स्पष्टता चाहती है कि आखिर आधे-अधूरे निर्माण में इतनी जल्दबाज़ी क्यों? अब देखना होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर क्या कार्रवाई करता है।

100 ग्राम एम डी सहित कुल 14.83 लाख रुपए का मशरूका का जप्त, 05 आरोपी गिरफ्तार

उपेंद्र पाटोदिया ब्यूरो 9926809786 । पुलिस अधीक्षक रतलाम अमित कुमार के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश खाखा, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस आलोट शाबेरा अंसारी के मार्गदर्शन मे थाना आलोट पुलिस द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर अवैध मादक पदार्थ MDMA ले जाते हुये 05 आरोपी को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई

घटना का संक्षिप्त विवरण - घटना का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 01.06.2025 को प्राप्त मुखबीर सुचना पर कार्यवाही करते हुये घटना स्थल ताल रोड जीवनगढ फंटा आलोट से आरोपी आयुष पिता श्याम शर्मा उम्र 21 साल निवासी उज्जैन रोड मयुर विहार कालोनी आगर, राहुल सिंह पिता नारायण सिंह सोंधिया उम्र 23 साल निवासी बडोद रोड आगर, शाहरुख पिता रफीक खाँ मेवाती मुसलमान उम्र 24 साल निवासी घाटी के नीचे झंडा चौक आगर, फरमान पिता मुबारीक खाँ मुल्तानी मुसलमान उम्र 20 साल निवासी वार्ड क्रमांक 01 बडोद रोड आगर, जिला आगर के कब्जे से एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुये चार प्रथक प्रथक सफेद प्लास्टिक की पारदर्शी थैलियो के अंदर भरा अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए कुल वजनी 45 ग्राम को जप्त कर आऱोपियो को गिरफ्तार किया गया व वापसी पर आरोपियो के विरुद्ध अप क्र 384/2025 धारा 8/22 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया बाद विवेचना के दौरान आरोपी फरमान द्वारा दिये गये मेमो के आधार पर फरार आरोपी फरहान पिता फैय्याज खान पठान मुसलमान उम्र 21 साल निवासी अर्जुन नगर आगर हाल मुकाम देवलजी थाना अरनोद जिला प्रतापगढ राजस्थान को कल दिनांक 01.06.2025 को 20.50 बजे जमुनिया शंकर फंटा ग्राम पिपलिया सिसोदिया से गिरफ्तार किया गया बाद एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों का पालन करते हुये आरोपी के कब्जे से मिले सफेद प्लास्टिक की पारदर्शी थैली मे भरे 55.21 ग्राम एमडीएमए व सफेद प्लास्टिक की पारदर्शी थैली मे भरे 30.07 ग्राम अजीनोमोटो पदार्थ को जप्त किया गया है। आरोपी को न्यायालय पेश कर पीआर प्राप्त कर अवैध मादक पदार्थ स्क्रूझ खरीदने बेचने के सम्बंध मे पूछताछ की जाकर विवेचना की जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी-

1. आयुष पिता श्याम शर्मा उम्र 21 साल निवासी उज्जैन रोड मयुर विहार कालोनी आगर,
2. राहुल सिंह पिता नारायण सिंह सोंधिया उम्र 23 साल निवासी बडोद रोड आगर
3. शाहरुख पिता रफीक खाँ मेवाती मुसलमान उम्र 24 साल निवासी घाटी के नीचे झंडा चौक आगर
4 फरमान पिता मुबारीक खाँ मुल्तानी मुसलमान उम्र 20 साल निवासी वार्ड क्रमांक 01 बडोद रोड आगर,
5. फरहान पिता फैय्याज खान पठान मुसलमान उम्र 21 साल निवासी अर्जुन नगर आगर हाल मुकाम देवलजी थाना अरनोद जिला प्रतापगढ राजस्थान

बरामद/जप्त मालङ्क

1. 45 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए किमती 4 लाख 50 हजार रुपये,
2. बिना नम्बर की सफेद रंग की स्वीफ्ट कार किमती 4,00,000 रुपये
3. सफेद प्लास्टिक की पारदर्शी थैली मे भरे 55.21 ग्राम एमडीएमए कीमती लगभग 5 लाख 50 हजार व सफेद प्लास्टिक की पारदर्शी थैली मे भरे 30.07 ग्राम अजीनोमोटो पदार्थ किमती 83,315 रुपये

महत्वपुर्ण भुमिकाङ्क उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरी शंकर सिंह चौहान, सउनि अशोक चौहान सायबर सेल से प्रआर. मनमोहन शर्मा (प्रभारी सायबर सेल), प्रआर. लक्ष्मीनारायण सुर्यवंशी, आर. विपुल भावसार , आर. मयंक व्यास, आर राहुल पाटीदार, तुषार सिसोदिया थाना आलोट से आर. 490 दिपक पाटीदार आर. 1198 बाबुलाल मालवीया, आर 400 अभिनन्दन जगावत, आर 955 रोनक पोरवाल की महत्वपुर्ण भुमिका रही ।

सराहनीय भूमिका ङ्क आर. 02 सुनिल चुनारा , आर 782 किशनलाल , आर. 1076 जीवन सुहील, सैनिक 363 रामभजन की मुख्य भुमिका व प्रआऱ 598 शोकिन सिंह, प्रआर 26 कमलेश भण्डारी, आर. 604 कमलसिंह का सराहनीय योगदान रहा है।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण बोलीं- उद्यमी हैं संपत्ति निर्माता, फायदा कमाना अब अपराध नहीं

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा हकै कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार उद्यमियों को 'संपत्ति निर्माता' मानती है, क्योंकि वे जो मुनाफा कमाते हैं, अगर वह नैतिक तरीकों से हो, तो वह देश के विकास में मदद करता है। वित्तमंत्री पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानववाद व्याख्यान की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रही थीं। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत में संपत्ति बनाना कभी भी गलत नहीं माना गया। हमने संपत्ति निर्माण को बढ़ावा दिया है। इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम उद्यमियों को संपत्ति निर्माता कहते हैं, न कि चोर। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसा मुनाफा जो ईमानदार और नैतिक तरीकों से कमाया गया हो, वही असली संपत्ति बनाता है। यह संपत्ति देश को शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और श्रमिकों की गरिमा देने में मदद करती है। इससे न केवल लोगों का जीवन स्तर सुधरता है बल्कि पूरे देश की आत्मा और गति को भी मजबूती मिलती है।

वित्तमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों को याद करते हुए कहा कि जब भी कोई नीति बनाई जाए तो सबसे नीचे खड़े व्यक्ति को ध्यान में रखा जाना चाहिए ताकि उसे ऊपर उठाया जा सके और उसकी गरिमा बनी रहे। उन्होंने कहा, चाहे वो पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हों या वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, इन दोनों नेताओं के शासनकाल में बनाई गई सभी नीतियों में एकात्म मानववाद की भावना साफ दिखती है।

सीतारमण ने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का नारा पंडित उपाध्याय की अंत्योदय की सोच से मेल खाता है। इसका मतलब है- समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाना। उन्होंने आगे कहा, अगर हम हर व्यक्ति को गरीबी से बाहर निकालें, उन्हें रोजगार दें, बुनियादी जरूरतें दें, तो उनका जीवन स्तर सुधरता है। और जब ऐसा होता है, तो वे देश की उत्पादन क्षमता का हिस्सा बनते हैं। इससे पूरे देश की आर्थिक प्रगति होती है।

वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अनुसार, किसी भी राष्ट्र के लिए राष्ट्रीय रक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। इस दिशा में प्रधानमंत्री मोदी 2014 से ही आत्मनिर्भर भारत के तहत रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि हाल ही में चलाया गया ऑपरेशन सिंदूर इसी सोच का परिणाम है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ सरकारें कहती थीं कि उनके पास रक्षा खरीद के लिए पैसे नहीं हैं, लेकिन मोदी सरकार ने यह सोच बदल दी है।

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि करदाताओं की सेवा करना विभाग के अधिकारियों का कर्तव्य है और उन्हें यह कार्य पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ करना चाहिए। वित्त मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि करदाताओं को सेवा प्रदान करना हमारा कर्तव्य है। करदाताओं की सेवा करते समय, उनका विश्वास और भरोसा जीतने के लिए पारदर्शिता और ईमानदारी बेहद जरूरी है। मुझे विश्वास है कि बोर्ड और क्षेत्रीय संरचनाएं संवेदनशील और उत्तरदायी बनी रहेंगी। उनका यह बयान जीएसटी रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करने वाली एक व्यावसायिक इकाई के मामले में केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के दिए विस्तृत स्पष्टीकरण के जवाब में दिया गया था। आवेदक ने आवेदन की प्रक्रिया में देरी की शिकायत की थी। सीबीआईसी ने जवाब के तौर पर मामले के पेंडिंग होने के पीछे विस्तृत स्पष्टीकरण पेश किया।

सीबीआईसी ने कारण बताया कि करदाता कंपनी की ओर से साइन करने वाले व्यक्ति के पद को लेकर पूछे गए विशेष सवाल का जवाब न मिलने की वजह से यह देरी हो रही है। लिंक्डइन पर जीएसटी रजिस्ट्रेशन मुद्दे के बारे में लिखने वाले विनोद गुप्ता के मामले के तथ्य का हवाला देते हुए सीबीआईसी ने एक्स पर कहा, आवेदन इस सप्ताह 26 मई (सोमवार) को दायर किया गया था, जिसे दिल्ली राज्य जीएसटी को सौंपा गया था. इस मामले में केंद्रीय जीएसटी अधिकारियों की कोई भूमिका नहीं थी। बयान में आगे कहा गया कि दिल्ली राज्य जीएसटी अधिकारियों के अनुसार, मामले पर तुरंत काम किया गया था और कंपनी की ओर से रेंट एग्रीमेंट पर साइन करने वाले व्यक्ति के मिसिंग डिजिगनेशन के बारे में एक प्रश्न उठाया गया था। इस स्तर पर एआरएन करदाता की ओर से जवाब की वजह से पेंडिंग था और करदाता को इसकी जानकारी दी गई थी। बयान में बताया गया कि पेंडिंग जानकारी प्राप्त होने पर दिल्ली जीएसटी अधिकारी आवेदन पर कार्रवाई करेंगे। सीबीआईसी ने आवेदक से तथ्यों को बिना जाने सोशल मीडिया पर गलत जानकारी प्रसारित न करने का भी अनुरोध किया है।

4 दिन बाद आपको मिल सकती है गुड न्यूज! हो सकता है बड़ा ऐलान

बिजनेस डेस्क: आम जनता के लिए अच्छी खबर आ सकती है, क्योंकि होम लोन, कार लोन और अन्य रिटेल लोन की ईएमआई में कटौती की संभावना जताई जा रही है। बीते 6 महीने में केंद्रीय बैंक RBI ऐसा दो बार कर चुका है और अब 6 जून को इस बारे में एक बड़ा फैसला करने जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 4 से 6 जून तक होने जा रही है, जिसमें ब्याज दरों को लेकर अहम फैसला लिया जा सकता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने इससे पहले फरवरी और अप्रैल में एमपीसी की बैठक की थी। तब दोनों बार रेपो रेट 0.25-0.25 प्रतिशत की कटौती की गई थी।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि विकास की गति धीमी है और महंगाई भी काबू में है। ऐसे में RBI के पास मौद्रिक नीति को और आसान बनाने का मौका है।

तीसरी बार कम होगी ब्याज दर

RBI के इस बार भी अपने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की कटौती करने की उम्मीद है। इसकी वाजिब वजह भी है। देश में एवरेट रिटेल महंगाई दर 4 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है। ये आरबीआई के टारगेट के हिसाब से है, इसलिए नीतिगत ब्याज दरों में लगातार तीसरी बार कटौती की उम्मीद बढ़ गई है। इसके अलावा अमेरिका की ओर से टैरिफ वॉर शुरू किए जाने के बाद वहां पर इंपोर्ट टैक्स बढ़ गया है। ये भारत जैसी एक्सपोर्ट इकोनॉमी के लिए थोड़ा नुकसानदायक है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

बैंक ऑफ बड़ोदा के चीफ इकोनॉमिस्ट मदन सबनवीस का कहना है, हमारा मानना है कि महंगाई की नरम स्थिति और आरबीआई के विभिन्न उपायों के माध्यम से कैश फ्लो की स्थिति को बहुत सहज बनाए जाने के चलते, एमपीसी छह जून को रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती करेगी। वृद्धि और महंगाई, दोनों के लिए ये कटौती अहम होगी।

रेटिंग एजेंसी इक्रा की चीफ इकोनॉमिस्ट अदिति नायर का मानना है कि चालू वित्त वर्ष के बड़े हिस्से के लिए सीपीआई (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) महंगाई चार प्रतिशत तक रहने के अनुमान के चलते, एमपीसी मौद्रिक नीति में ढील जारी रख सकती है।

श्रेयस की दमदार बल्लेबाजी, फाइनल में पंजाब बनाम बेंगलुरु.... 18वें सत्र में मिलेगा नया आईपीएल चैंपियन

कप्तान श्रेयस अय्यर के नाबाद अर्धशतक की बदौलत पंजाब किंग्स ने क्वालिफायर-2 मुकाबले में मुंबई इंडियंस को पांच विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में छह विकेट पर 203 रन बनाए थे, जवाब में पंजाब ने श्रेयस की दमदार अर्धशतकीय पारी की मदद से 19 ओवर में पांच विकेट पर 207 रन बनाकर जीत दर्ज की।

तीन जून को मिलेगा नया चैंपियन

पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार फाइनल में प्रवेश किया है। अब उसका सामना तीन जून को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से सामना होगा। आरसीबी ने क्वालिफायर-1 मुकाबले में पंजाब को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। पांच बार की चैंपियन मुंबई का सफर क्वालिफायर-2 में समाप्त हो गया। टीम ने एलिमिनेटर में गुजरात को हराया था, लेकिन हार्दिक पांड्या की अगुआई वाली टीम क्वालिफायर-2 की बाधा पार नहीं कर सकी। पंजाब और आरसीबी ने अब तक कभी आईपीएल की ट्रॉफी नहीं जीती है, ऐसे में यह तय है कि अब टूर्नामेंट को एक नया चैंपियन मिलेगा।

श्रेयस अय्यर ने दिलाई टीम को जीत लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और टीम ने 72 रन पर ही तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद श्रेयस और नेहाल वढेरा ने साझेदारी निभाई और चौथे विकेट के लिए 84 रन जोड़े। श्रेयस ने इस दौरान 27 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। श्रेयस और वढेरा के बीच साझेदारी को अश्विनी कुमार ने वढेरा को आउट कर तोड़ा जो 48 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, श्रेयस क्रीज पर टिके रहे और उन्होंने 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई। श्रेयस 41 गेंदों पर पांच चौकों और आठ छक्कों की मदद से 87 रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब किंग्स के लिए प्रियांश आर्या ने 20, जोश इंग्लिस ने 38 और प्रभसिमरन सिंह ने छह रन बनाए। शशांक सिंह दो रन बनाकर आउट हुए, जबकि स्टोइनिस दो रन बनाकर नाबाद रहे। मुंबई की ओर से अश्विनी कुमार को दो विकेट मिले, जबकि ट्रेंट बोल्ट और हार्दिक पांड्या को एक-एक विकेट मिला।

सूर्यकुमार और तिलक ने मचाया धमाल मुंबई के लिए जॉनी बेयरस्टो (38), तिलक वर्मा (44) और सूर्यकुमार (44) ने बड़े स्कोर की नींव रखी। नमन धीर ने भी 18 गेंद में 33 रन बनाकर टीम को 200 रन के पार पहुंचाया। रोहित शर्मा (आठ) पिछले मैच की तरह मिले जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके। तीसरे

ओवर में काइल जैमिसन की गेंद पर अजमतुल्लाह उमरजइ ने उनका कठिन कैच टपकाया। अगले ओवर में हालांकि रोहित अपना पसंदीदा पूल शॉट खेलने के प्रयास में मार्कस स्टोइनिस की गेंद पर डीप स्क्वेयर लेग में विशाख विजयकुमार को कैच दे बैठे।

शुरुआती झटके से अविचलित मुंबई ने दस रन प्रति ओवर की दर से रन बनाना जारी रखा। तिलक ने दूसरी ही गेंद पर छक्का लगाया जबकि दूसरे छोर से बेयरस्टो भी काफी आक्रामक खेल रहे थे। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 51 रन की साझेदारी की। मुंबई ने पावरप्ले में छह ओवर में एक विकेट पर 65 रन बनाए।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन गुकेश ने कार्लसन को हराया, पिछली हार का भी लिया बदला

नॉर्वे चेस टूर्नामेंट में रविवार को विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश ने एक रोमांचक मैच में विश्व नंबर एक शतरंज खिलाड़ी नॉर्वे के ही मैग्नस कार्लसन को चौंका दिया और क्लासिकल शतरंज में उनपर पहली जीत दर्ज की। सफेद मोहरों के साथ खेल रहे कार्लसन ने अधिकांश समय मैच में इसका फायदा उठाया और लगातार दबाव बनाया, लेकिन गुकेश ने जरूरत पड़ने पर सावधानी पूर्वक खेल खेला और फिर कार्लसन पर अटैक किया।

गुकेश से हार के बाद दिग्गज कार्लसन ने आपा खोया, मेज पर हाथ पटका, फिर माफी मांगी और चलते बने

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में विश्व चैंपियन भारत के डी गुकेश ने दिग्गज मैग्नस कार्लसन को हराकर बड़ी जीत हासिल की है। इस जीत से जहां गुकेश बेहद खुश नजर आए, वहीं कार्लसन आपा खो बैठे। अपने देश में गुकेश से हार को वह बर्दाश्त नहीं कर पाए। कार्लसन ने हार के बाद जोर से हाथ को उस मेज पर पटका, जहां चेस बोर्ड रखा हुआ था। उनके हाथ पटकने से पूरा चेस बोर्ड हिल गया। इसके बाद कार्लसन अपनी कुर्सी से उठकर अपनी भड़ास निकाली और फिर गुकेश से माफी मांगते हुए चेस बोर्ड के पास आए। फिर उन्होंने मुहरों को सजाने की कोशिश की, लेकिन झल्लाहट में उसे भी पटक दिया। वहीं, दूसरी तरफ गुकेश ने जीत हासिल करने के बाद चुपचाप जश्न मनाया। उन्हें यकीन नहीं हुआ कि उनकी मेहनत काम कर गई। फिर कार्लसन तेजी से चलते हुए हॉल से निकल गए। उन्होंने गुकेश की पीठ भी थपथपाई। इसका वीडियो भी सामने आया है। वहां बैठे सभी लोगों ने गुकेश के लिए ताली बजाई। गुकेश ने कार्लसन को चौंकाते हुए क्लासिकल शतरंज में कार्लसन पर पहली जीत दर्ज की। सफेद मोहरों के साथ खेल रहे कार्लसन ने अधिकांश समय मैच में इसका फायदा उठाया और लगातार दबाव बनाया, लेकिन गुकेश ने जरूरत पड़ने पर सावधानी पूर्वक खेल खेला और फिर कार्लसन पर अटैक किया। जैसे जैसे कार्लसन पर समय से चाल चलने का दबाव बढ़ता गया, कार्लसन ने गलतियां कीं और इसने गुकेश को वापसी का मौका दिया गुकेश ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपने सारी स्किल को मैच में झोंक दिया और जीत दर्ज की। मैच के बाद गुकेश ने कहा- मैं बहुत कुछ नहीं कर सकता था। मुझे बस इसका अधिकतम लाभ उठाना था। मैं ऐसे कदम उठा रहा था जो कार्लसन के लिए मुश्किल थे और सौभाग्य से चालें सही साबित हुईं। इस टूर्नामेंट से मैंने एक बात सीखी है कि समय से चाल चलने का दबाव आपको गलती करने पर मजबूर कर सकता है। दोनों के बीच टूर्नामेंट के पहले दौर में भिड़ंत हुई थी, जहां कार्लसन ने अपने ट्रेडमार्क चालों से जीत हासिल की थी।

शिशु मंदिर की स्मृतियों के साथ पूर्व आचार्यो का सम्मान

अच्छे कर्मो से हमें न केवल जीवन में सफलता प्राप्त होती है, बल्कि हमें शांति और खुशी भी मिलती है -दीपक शर्मा

कोई सकारात्मक विचार जब यथार्थ में परिवर्तित होता है तो वो आनंददायक होता है- आंचलिया

पूर्व छात्रों ने ली आज भी स्केल प्ले की आनंदित अनुभूति

अनिल भरावा आलोट- कर्म का सिद्धांत एक अवधारणा है जो सभी धर्मों में पाई जाती है। यह सिद्धांत मानता है कि हमारे कर्म (कार्य और इरादे) हमारे भविष्य को प्रभावित करते हैं। अच्छे कर्म अच्छे और बुरे कर्म बुरे फल उत्पन्न करते हैं। इसके अनुसार मनुष्य अपने कर्मों के लिए स्वयं उत्तरदायी है। यह सिद्धांत हमें सिखाता है कि हमें अच्छे कर्म करने चाहिए और बुरे कर्मों से बचना चाहिए। इससे हमें न केवल जीवन में सफलता प्राप्त होती है, बल्कि हमें शांति और खुशी भी मिलती है। आपको जो भी कार्य मिला है उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करना चाहिए।

उक्त वक्तव्य शिक्षाविद मुख्य अतिथि दीपक शर्मा शासकीय माध्यमिक विद्यालय रामपुरिया रतलाम द्वारा विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल नागेश्वर पार्श्वनाथ तीर्थ पेड़ी उन्हैल पर सरस्वती शिशु मंदिर आलोट की 2002 की बेच प्रवाह समूह के पूर्व छात्र छात्राओं द्वारा आयोजित पूर्व आचार्य सम्मान संगोष्ठी में प्रस्फुटित किये।

एडवोकेट अनिमेष आंचलिया टीम पूर्व छात्र सरस्वती शिशु मंदिर आलोट और निर्मल शर्मा निक्की तथा पवन गुप्ता के सारथित्व के द्वारा समस्त पूर्व छात्र छात्राओं द्वारा पूर्व आचार्यगणो को तीर्थ स्थल खेड़ापति हनुमान जी महाराज और महातिर्थ नागेश्वर पार्श्वनाथ भगवान के सौंदर्य स्वरूप का दर्शन-पूजन-अर्चन करवाने के उपरांत सभा भवन में परिचयात्मक और संस्मराणात्मक गोष्ठी एवं परिचर्चा का सुंदर आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के साथ की गई तत्पश्चात सभी ने बारी बारी से विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे जिसमें नई शिक्षा नीति, शिक्षा के वर्तमान परिदृश्य, बदलते समय में शिक्षा और शिक्षकों की भूमिका,

देश की परिस्थिति आदि महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।साथ ही सभी सदस्यों द्वारा आगामी कार्यक्रम को लेकर भी रूपरेखा तय की गई ।

कार्यक्रम के संयोजक एडवोकेट अनिमेष आंचलिया ने बताया कि स्वस्थ जीवन के चार सिद्धांत नियमित दिनचर्या, नियमित व्यायाम, सामाजिक कार्य में योगदान और दिनभर में रुचि का कोई भी कार्य करना को बताया। आंचलिया के अनुसार - कोई सकारात्मक विचार जब यथार्थ में परिवर्तित होता है तो वो आनंददायक होता है। इसी निमित्त प्रवाह समूह ने यह निर्णय लिया कि पूर्व आचार्यों के सम्मान में एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाय। इस विचार को मूर्त रूप देने में सभी साथी जिनमें कुछ मल्टीनेशनल कंपनियों में कार्यरत भी है अपने अपने प्रयास में लग गए इस संगोष्ठी के आयोजन का निर्णय लिया।

सभी छात्र छात्राओं और आचार्यों ने सरस्वती शिशु मंदिर आलोट में रहते हुए अपने अपने पलो और मधुर आनंदायक स्मृतियों संस्मरणों को परस्पर साझा किया। उपस्थिति समस्त छात्र छात्राओं वंदना काला बांसवाड़ा अनिता सेठीया ताल भावना पांचाल शिक्षिका रानीगांव रतलाम द्वारा पूर्व आचार्यगणो का कुम कुम अक्षत रोली से तिलक लगाकर एडवोकेट अनिमेष आंचलिया व्यापारी पवन गुप्ता निर्मल शर्मा,रोहित झण्डी, राकेश पोरवाल, विशाल गुप्ता, हरीश भैसोटा के माध्यम से अशोक राव पंवार आजीवन पूर्व आचार्य, दीपक शर्मा शिक्षक रतलाम, कृष्ण गोपाल द्विवेदी, मीना शर्मा, प्रीति शर्मा, संतोष शास्त्री, अखिलेश कुमार निगम, पंकज शर्मा, कपील शर्मा सभी शिक्षकों का सम्मान हार-फूल नारियल तथा विशेष स्मृति भेंट कर सभी से आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर समस्त पूर्व छात्र छात्राओं ने पूर्व आचार्य अखिलेश कुमार निगम और कृष्ण गोपाल द्विवेदी के द्वारा स्केल प्ले पर अपनी स्मृतियों को साझा किया। सभी पूर्व आचार्यों ने इस तरह के कार्यक्रम के महत्व को बताते हुए सभी छात्र छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामनाएं की। इस कार्यक्रम में एचएसबीसी बैंक में कार्यरत पूर्व छात्र मयूर गंगराड़े पुणे से तथा इन्वेस्टमेंट एडवाइजर नेहुल चौधरी वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के माध्यम से परिचर्चा में शामिल हुए। समस्त पूर्व छात्रों द्वारा कृतज्ञता व्यक्त की गई। अंत में सामूहिक अन्नपूर्णा भोज के आयोजन पश्चात दायित्व धारक सारथियों ने समस्त आचार्यों को निज निवास पर पहुंचाया।

गुरूदेव के जयकारों के साथ गुरूभक्तों का स्वागत हुआ

अरूणोदय वेला में तीन दिवसीय अखंड किर्तन का शुभारंभ।

श्री सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्रम पर लगा गुरूभक्तों का तांता।

संवाददाता = धर्मेश सोनी पेटलावद। गुरू देव के जयकारों के साथ गुरूभक्तों का हुआ नगर में प्रवेश पुष्प वर्षा व फूलमाला पहनाकर भक्तों का किया स्वागत। श्री जी पाद स्पर्श महोत्सव के शुभारंभ में 01 जून की शाम 7:30 बजे गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों से भक्तों की डोलियों का नगर में आगमन हुआ जिसमें 78 गुरूभक्त व संगीत के जानकार पेटलावद पहुंचे जहां पर स्थानीय निलकंठेश्वर महादेव मंदिर पर गुरूभक्तों का स्वागत नगर की धर्मप्रेमी जनता व गुरूभक्तों ने किया गया। जहां पर निलकंठेश्वर के दर्शन कर शोभायात्रा प्रारंभ हुई जो की भजन किर्तन करते हुए नगर के मुख्य मार्गो से गुजरी। जिसका गुरूभक्तों ने स्वागत किया। शोभायात्रा कार्यक्रम स्थल सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्रम पहुंची जहां पर गुरूभक्तों का तिलक लगाकर एक बार पुन: स्वागत किया गया। इसके पश्चात गुरूदेव की महाआरती का आयोजन किया गया। जिसका लाभ सभी भक्तों ने लिया और इसके पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया।

अरूणोदय वेला में किर्तन हुए प्रारंभ। 02 जून सोमवार को अरूणोदय वेला में तीन दिवसीय अंखड किर्तन का शुभारंभ किया गया। जिसमें गुजरात से आए भक्त मंडलों ने अपनी चार टीम अलग अलग बना ली जो की लगातार तीन दिन तक अंखड किर्तन का कार्य संपन्न करवाएगी। जिसमें गुरूदेव के किर्तन व भजन के साथ आयोजन का विधिवत शुभारंभ पुष्पवर्षा के साथ हुआ। वहीं सुबह 6 बजे मंगला आरती का आयोजन किया गया।इसके पश्चात अन्नपूर्णा पुजन का लाभ वैंकट त्रिवेदी परिवार और गजेंद्र नागर परिवार के द्वारा लिया गया। शोभायात्रा में थांदला वैंकुंठ धाम के अध्यक्ष राजेंद्र अग्निहोत्री, नामदेव आचार्य,पेटलावद आश्रम प्रभारी अरविंद गोपाल भट्ट, महेंद्र अग्रवाल, पेटलावद गुरूद्वारा अध्यक्ष ओमप्रकाश भट्ट,ब्राम्हण समाज अध्यक्ष मनोज जानी, धर्मेंद्र द्विवेदी,संजय भावसार,सत्येद्र भाई सोलंकी, मनीष जी, विनोद नागर, गजेंद्र नागर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आयोजन का उद्देश्य। आयोजन के उद्देश्य को बताते हुए समिति के सदस्यों ने बताया कि गुरूदेव के प्रथम नगर आगमन की याद को चिरस्थायी बनाने के लिए समिति के द्वारा लगातार 15 वर्षो से इस आयोजन को किया जा रहा है। और सनातन धर्म में गुरू आस्था के महत्व को प्रतिपादित करते हुए इस आयोजन को करते हुए गुरूभक्तों को वर्ष में एक बार मिलन का अवसर और गुरू आराधना करने के उद्देश्य को लेकर आयोजन किया जाता है। जिसमें पेटलावद,थांदला,झाबुआ, गुजरात,महाराष्ट्र सहित मध्यप्रदेश व राजस्थान के कई शहरों से गुरूभक्त आ कर आयोजन का आंनद लेते है।

कलेक्टर ने किया वृद्धाश्रम भवन का निरीक्षण

संजय जैन जिला ब्यूरो झाबुआ, - जिला मुख्यालय पर रंगपुरा रोड पर निर्मित 50 सीटर वृद्धाश्रम का संचालन किया जाना है जिसका आज कलेक्टर नेहा मीना ने निरीक्षण कर जायजा लिया।

वृद्धाश्रम भवन में वृद्धजनों के लिए मनोरंजन कक्ष, सेपरेट रूम, भोजन कक्ष, शौचालय एवं अन्य व्यवस्थाओं का निर्माण किया गया हैं। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान वृद्धाश्रम में सीएसआर फंड से फर्नीचर की व्यवस्था एवं बॉउन्ड्री वॉल का निर्माण साथ ही वृद्धजनों का चिन्हांकन जल्द से जल्द कर संचालन किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने भवन की साफ-सफाई किये जाने को कहा। कलेक्टर ने वृद्धजनों की सूची तैयार कर वेरिफिकेशन कर वृद्धजनों की सहमति लिये जाकर वृद्धाश्रम के संचालन हेतु आवश्यक प्रक्रिया किये जाने के निर्देश दिये।

इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ भास्कर गाचले, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग आर एस बघेल, उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन विभाग पंकज साँवले एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

अपील जिले के गणमान्य जागरूक नागरिको/सामाजिक तथा अशासकीय संस्थाओ के अध्यक्ष/सचिव से अनुरोध है कि निराश्रित वृद्धजनों को वृद्धाश्रम में प्रवेशित कराए जाने हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें। वृद्धाश्रम में प्रवेश हेतु अधिक जानकारी के लिए श्री खुशाल गुण्डिया-7974713249 अथवा प्रियंक पाटीदार सामाजिक सुरक्षा अधिकारी-9926089353 से सम्पर्क कर वृद्धजनों की जानकारी उपलब्ध करा सकते है। इसके साथ हीं वृद्धजन का आधार कॉर्ड, समग्र आईडी, बैंक पासबुक एवं 02 फोटो सहित जिला कार्यालय सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग झाबुआ मे कार्यालयीन समय मे सम्पर्क कर सकते हैं।

शिवना के बदले स्वरूप को देखकर मंदिर आने वाले श्रद्धालु कर रहे है प्रसन्नता जाहिर

शिवना शुद्धिकरण अभियान को हुए 33 दिन, 2 जून को नदी से निकाली 3 ट्राली कचरा व गाद

मन्दसौर। 1 मई से शुरू हुए शिवना शुद्धिकरण अभियान को 33 दिन पूर्ण हो गये। इन 33 दिनों में मंदसौर जिले के विभिन्न अंचलों से बड़ी संख्या में नागरिकों ने सम्मिलित होकर शिवना नदी से कचरा, गाद, झाड़िया व जलकुंभी निकालने का प्रयास किया जिसके परिणाम स्वरूप शिवना का सौंदर्य निखरने लगा है। 33वें दिन 2 जून को घाट एवं पुलिया के समीप की गंदगी साफ कर 3 ट्राली गाद निकाली गई। आज भी रंगरोगन का कार्य जारी रहा। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं ने शिवना का परिवर्तित रूप देखकर प्रसन्नता जाहिर की। विधायक विपिन जैन ने कहा कि शिवना का जल स्वच्छ होगा तो नगरवासियों को साफ पेयजल उपलब्ध होगा। वातावरण प्रदूषण मुक्त होगा। साथ ही शिवना नदी जो सभी की आस्था का केन्द्र है उसकी साफ और गंदगी मुक्त रखना भी हम सभी का कर्तव्य है। आपने अपील की कि इस अभियान में अधिक से अधिक लोग आकर श्रमदान करे। सोमवार को श्रमदान करने विधायक विपिन जैन, जल संसाधन विभाग मंदसौर से जमनाप्रसाद, संजय कुंवद, विपि

प्रकाशक, मुद्रक धवन माहेश्वरी, मालिक गजेन्द्र माहेश्वरी द्वारा उदयरत्न ऑफसेट, 10/2, दारू गोडाउन के आगे, आगर रोड़, उजैन (मध्यप्रदेश) से मुद्रित, 190, विधापति नगर, नानाखेड़ा, उजैन (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित
संपादक :शानू माहेश्वरी, (9754776006, 7974826006, 8643056464,9575154444) समाचार पत्र में प्रकाशित प्रत्येक समाचार के लिए प्रधान संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। सभी प्रकार के विवादों के निपटारे हेतु न्यायालय क्षेत्र उज्जैन ही रहेगा । समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार। कानूनी सलाहकार तनुज दीक्षित (अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट) ।